न्यूज डायरी

थाईलैंड में राजतंत्र के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन, देश में कड़े आपातकाल की घोषणा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बैंकॉक। थाईलैंड में राजतंत्र में सुधार और प्रधानमंत्री प्रयुत चान ओचा के इस्तीफे की मांग को लेकर पिछले तीन महीने से प्रदर्शन कर रहे छात्रों के विरोध को कुचलने के लिए देश में कड़े आपातकाल की घोषणा की गई है। पुलिस ने कम से कम 20 प्रदर्शनकारियों को अरेस्ट्ड किया है। आपातकाल के तहत 5 से अधिक लोगों के इकट्ठा होने और राष्ट्रीय सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने वाली खबरों के प्रकाशन पर रोक लगा दिया गया है। थाईलैंड की पुलिस ने प्रधानमंत्री के कार्यालय के बाहर रातभर डेरा डाले रहे लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों के समूह को गुरुवार की तड़के तितर–बितर कर दिया। प्रधानमंत्री ने राजधानी क्षेत्र में आपातकाल लागू कर दिया है, ताकि प्राधिकारी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई कर सके। इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर–बितर किया। थाईलैंड में कोरोना वायरस संक्रमण के मद्देनजर लागू प्रतिबंधों के कारण पहले ही आपातकाल जैसी स्थिति है।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में भारतीय अमेरिकियों की पहली पसंद जो बाइडन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। रिपब्लिकन पार्टी के दावों के उलट भारतीय–अमेरिकियों की पहली पसंद अभी भी डेमोक्रेटिक पार्टी है। राष्ट्रपति चुनाव में भी वह अपना पाला नहीं बदलते नजर आ रहे हैं। एक नए सर्वे के मुताबिक, लगभग 72 फीसदी रजिस्टर्ड वोटर डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडन के साथ हैं। वहीं, 22 फीसदी राष्ट्रपति ट्रंप के समर्थन में खड़े दिख रहे हैं। हालांकि यह सर्वे मात्र 936 भारतीय अमेरिकी मतदाताओं पर किया गया था। जो बाइडन का सीनेटर कमला हैरिस को अपना उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुनना उनके पक्ष में गया है। इससे काफी हद तक अमेरिकी–भारतीय वोटर डेमोक्रेटिक पार्टी के पक्ष में गोलबंद हो रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, डमोक्रेट्स के प्रति भारतीय–अमेरिकियों के मजबूत समर्थन की वजह उनकी रोजमर्रा से जुड़े मुद्दे जैसे हेल्थकेयर और अर्थव्यवस्था हैं। न कि राष्ट्रपति ट्रंप का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संबंध।

रूस ने कोरोना वायरस की दूसरी वैक्ड्सीन को दी मंजूरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने घोषणा की कि देश ने दूसरी कोरोना वायरस वैक्सीन ^EpiVacCorona* को शुरुआती ट्रायल के बाद मंजूरी दे दी है। इस वैक्सीन को साइबेरियन बॉयोटेक कंपनी ने विकसित किया है। पेप्टाइड आधारित यह वैक्सीन कोरोना से बचाव के लिए दो बार देनी होगी। इसे साइबेरिया में स्थित वेक्टर इंस्टीट्यूट ने बनाया है। बताया जा रहा है कि दो सप्ताह पहले इसके शुरुआती अध्ययन के पूरा होने के बाद अब मंजूरी दी गई है। पुतिन ने बुधवार को टीवी पर दिए अपने बयान में कहा, देश के वायरोलॉजी एंड बॉयोटेक्नालॉजी सेंटर नोवोसिबिरस्क वेक्टर ने आज दूसरी कोरोना वायरस वैक्सीन को रजिस्टर किया है। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि इस वैक्ड्सीन के 100 लोगों पर किए गए शुरुआती ट्रायल सफल रहे हैं।

लद्दाख में चीन को झटका, भीषण ठंड से होने लगी ड्रैगन के सैनिकों की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। पूर्वी लद्दाख में भीषण ठंड अभी शुरू नहीं हुई है और चीनी सेना को झटके लगने लगे हैं। पैंगोग झील के उत्तरी किनारे पर चीनी सेना PLA को जनहानि का नुकसान उठाना पड़ा है। पिछले हफ्ते एक चीनी सैनिक को निकाले जाते देखा गया। माना जा रहा है कि इस इलाके में रात में अभी से ही ठंड जमा देने वाली होती जा रही है। चीनी सैनिक ठंड को झेल नहीं पा रहे हैं और हताहतों की संख्या बढ़ती जा रही है। पैंगोग झील से सटी 15 हजार से 16 हजार फुट ऊंची चोटियों पर 5 हजार चीनी सैनिक मौजूद हैं। इससे पहले चीन ने दावा किया था कि उसने ठंड से निपटने के लिए अत्याधुनिक बैरक बनाए हैं जिसमें हमेशा तापमान गरम रहेगा। चीन की मीडिया ने भी दावा किया था कि पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने पहली बार अपने लद्दाख से सटे तिब्बत के नागरी इलाके में भारी तोपें तैनात की हैं।

ओली और प्रचंड ने चीनी कंपनी से ली 9 अरब की दलाली?

ओली और प्रचंड नेता चीनी कंपनी को ठेका देने के मामले में फंसे

आरोप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काठमांडू। चीन के इशारे पर नाच रहे नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पार्टी अध्यक्ष पुष्प कमल दहल प्रचंड नेता चीनी कंपनी को ठेका देने के एवज में 9 अरब रुपये घूस लेने के मामले में बुरी तरह से घिरते नजर आ रहे हैं। नेपाल के पूर्व पीएम बाबूराम भट्टराई ने आरोप लगाया है कि नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी और विपक्षी नेपाली कांग्रेस के कई शीर्ष नेताओं ने चीनी कंपनी से बूढ़ी गंडकी हाइड्रोपॉवर प्रॉजेक्ट के लिए 9 अरब रुपये का घूस लिया है।

नेपाली न्यूज वेबसाइट माई रिपब्लिका के मुताबिक इससे पहले पूर्व पीएम भट्टराई ने आरोप लगाया था कि पीएम ओली और पूर्व पीएम प्रचंड तथा शेर बहादुर देउबा ने चीनी कंपनी को ठेका देने के एवज में 9 अरब रुपये घूस लिए थे। इस प्रॉजेक्ट का निर्माण चीन का गेहोउबा ग्रुप कर रहा है। उधर, कम्युनिस्ट पार्टी और नेपाली कांग्रेस दोनों ने ही

इस आरोप का खंडन किया है लेकिन भट्टाराई ने जोर देकर कहा है कि उनके पास इस आरोप को साबित करने के लिए सबूत है।

सरकारों ने बूढ़ी गंडकी प्रॉजेक्ट्ट को लेकर लिए गए फैसले को पलटा: भट्टराई के इस बयान के बाद देश की राजनीति में बवाल मचा हुआ है। इससे नेपाल के शीर्ष नेतृत्व की निष्ठा को लेकर जनता के बीच में गंभीर सवाल उठ रहे हैं। नेपाल में शीर्ष नेताओं पर नीतिगत फैसलों के जरिए भ्रष्टाचार करने का मामला कोई नया नहीं है। लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि नेपाल के एक पूर्व पीएम ने पिछले 8 साल में आईं सभी सरकारों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। इन सभी सरकारों ने पिछली सरकारों के बूढ़ी गंडकी प्रॉजेक्ट्ट को लेकर लिए गए फैसले को पलट दिया।

वर्ष 2012 में भट्टराई के नेतृत्व वाली नेपाल सरकार ने बिजली परियोजना के रूप में बूढ़ी गंडकी को नेपाली कंपनी के जरिए विकसित करने का फैसला किया था। बाद में प्रचंड की सरकार बनने पर भट्टाराई के फैसले को पलटते हुए इसे चीनी कंपनी गेहोउबा को दे दघिया गया। इसमें मजेदार बात यह रही कि प्रचंड ने पीएम पद छोड़ने से मात्र दो दिन पहले यह फैसला लिया। इसके बाद आई नेपाली कांग्रेस सरकार के पीएम शेर बहादुर देउबा ने इसे स्वदेशी कंपनी से पूरा कराने का फैसला लिया।

चीनी कंपनी को ठेका देने में 9 अरब रुपये की घूस दी गई: वर्ष 2017 के चुनाव में केपी ओली के प्रधानमंत्री बनने के बाद एक बार फिर से सरकार के फैसले को पलटते हुए फिर से चीनी कंपनी को ठेका दे दिया गया। ओली सरकार ने चीनी कंपनी को ठेका देते समय किसी और ग्रुप से कोई बोली नहीं लगवाई। ओली सरकार के इस फैसले का देश में जोरदार विरोध हुआ था और प्रदर्शन भी हुए थे। ऐसे आरोप लगे थे कि ओली सरकार ने चीन को खुश करने के लिए चीनी कंपनी को ठेका दिया। अब पूर्व पीएम भट्टाराई ने दावा किया है कि चीनी कंपनी को ठेका देने में 9 अरब रुपये की घूस दी गई।

पाक विपक्षी नेता की इमरान को दो टूक, कहा–भारत से सुधारो रिश्ता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में विपक्षी दलों के बढ़ते दबाव के आगे प्रधानमंत्री इमरान खान अब बेबस नजर आने लगे हैं। पाकिस्तानी सेना ने भी अपने ऊपर बढ़ते राजनीतिक हमलों को देखते हुए इमरान सरकार से पल्ला झाड़ना शुरू कर दिया है। इस बीच पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के वरिष्ठ नेता फरहतुल्ला बाबर ने इमरान खान से दो टूक कहा है कि वे भारत के साथ अपना रिश्ता सुधारे। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि भारत और चीन में दुश्मनी होने के बावजूद आपसी व्यापार अरबों डॉलर का है।

साउथ एशियन्स अगेंस्ट टेरेरिज्म एंड फॉर ह्यूमन राइट्स की बैठक में फरहतुल्ला बाबर ने इमरान खान को नसीहत देते हुए कहा कि उन्हें पड़ोसी देश भारत के साथ अपने रिश्ते सुधारने पर जोर देना चाहिए। अगर पाकिस्तान भारत के साथ अपने संबंध अच्छे रखता है तो हमारे लोकतंत्र के साथ अर्थव्यवस्था को भी फायदा पहुंचेगा।

उन्होंने भारत और चीन के रिश्ते का उदाहरण देते हुए कहा कि इन दोनों देशों के बीच सीमा विवाद है। इसके बावजूद दोनों के बीच व्यापारिक रिश्ते मजबूत हैं। फिर ऐसा पाकिस्तान क्यों नहीं कर सकता है।

चीन ने तैयार की महाविनाशक सूइसाइड ड्रोन आर्मी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) चीन। अमेरिका, भारत, ताइवान, ऑस्ट्रेलिया समेत दुनिया के कई देशों के साथ जंग के मंसूबे पाल रहे चीन ने विस्फोटकों से लैस आत्मघाती ड्रोन विमानों की जोरदार फौज तैयार की है। ये ड्रोन एक ट्यूबलर लॉन्चर के अंदर होते हैं जो इशारा करते ही अपने दुश्मन पर टूट पड़ते हैं। इन लॉन्चर को एक हल्के वाहन और हेलिकॉप्टर के ऊपर तैनात किया जा सकता है। चीन की ड्रोन सेना के सामने आने के बाद अब दुनियाभर की सेनाओं के सामने बड़ा भविष्य की जंग को लेकर खतरा पैदा हो गया है। चीन के इलेक्ट्रानिक्स अकादमी ने इस ड्रोन विमान को तैयार किया है और पिछले महीने ही इसका सफल परीक्षण किया है। इससे पहले चीन ने वर्ष 2017 में 120 छोटे ड्रोन को एक साथ सेना के रूप में उड़ाकर बड़ी कामयाबी हासिल की थी। बाद में चीन ने 200 ड्रोन विमानों को एक साथ उड़ाकर बड़ा कारनामा करके दिखाया।

ताइवान की राष्ट्रपति का फिर झलका भारत प्रेम, बताई अपनी पसंदीदा डिश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ताइवानी राष्ट्रपति ने ताजमहल की तस्वीर ट्वीट की

ताइपे। भारत–ताइवान के लोगों में गहराती दोस्ती के बीच ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इंग वेन का भारतीय संस्कृति के प्रति जबर्दस्त प्रेम एक बार फिर से झलक आया है। ताइवान की राष्ट्रपति ने गुरुवार को ट्वीट करके कहा कि भारतीय खाना और चाय बहुत पसंद है। वेन ने कहा कि वह अक्ब्सर चना मसाला और नान खाने के भारतीय रेस्त्रां में जाती रहती हैं।

ताइवान की राष्ट्रपति त्साई ने ट्वीट करके कहा, ताइवान भाग्यशाली है कि यहां पर कई भारतीय रेस्त्रां हैं और ताइवान की जनता उन्हें प्यार करती है। मैं खुद हमेशा चना मसाला और नान खाने के लिए जाती हूं जबकि चाय मुझे हमेशा मेरी भारत यात्रा के दिनों और जीवंत, विविध और रंगों से भरे देश की याद दिलाती है। आपकी पसंदीदा डिश कौन सी है? ताइवान की राष्ट्रपति के इस ट्वीट को बड़ी संख्या में लोग लाइक और रिट्वीट कर रहे हैं।

बता दें कि चीन से जारी तनाव के बीच भारतीय जनमानस जमकर ताइवान का समर्थन करता दिखाई दे रहा है। हाल में ही ताइवान के राष्ट्रीय दिवस पर बड़ी संख्या में भारतीयों ने शुभकामना संदेश भेजे थे। इसके जवाब में ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इन वेंग ने भारतीय लोगों का धन्यवाद दिया था। उन्होंने भारत के लोग, भारतीय संस्कृति और भारतीय स्थापत्य कला की जमकर तारीफ की थी।

त्साई इन वेंग ने अपने ताजमहल दौरे की तस्वीर ट्वीट करते हुए लिखा कि भारत के हमारे मित्रों को नमस्कार, मुझे यहां (ट्विटर पर) फॉलो करने के लिए धन्यवाद। आपके शुभकामना संदेश मुझे आपके अविश्वसनीय देश में बिताए गए यादगार पलों की याद दिलाते हैं। आपके वास्तु चमत्कार, जीवंत संस्कृति और दयालु लोग वास्तव में अविस्मरणीय हैं। मुझे अपना वह समय बहुत याद आता है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि शुभकामना संदेश के लिए भारत के सभी लोगों का धन्यवाद।

परमाणु समझौते के विस्तार को लेकर संशय में हैं रूसी राजनयिक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मास्को। रूस के शीर्ष राजनयिक ने मास्को और वाशिंगटन के बीच हुए हथियार नियंत्रण समझौते के विस्तार को लेकर संशय प्रकट किया है, जबकि अमेरिका इसे लेकर आशावादी नजर आ रहा है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कई रूसी समाचार संस्थानों को दिए साक्षात्कार में कहा कि रूस 'न्यू स्टार्ट' संधि के विस्तार के लिए अमेरिका द्वारा पेश की गई शर्तों को स्वीकार नहीं कर सकता।

लावरोव ने फरवरी में समझौते की समय सीमा समाप्त होने से पहले उसमें विस्तार की संभावना से जुड़े एक सवाल के जवाब में कहा, ''निजी तौर पर, मुझे संभावना नजर नहीं आती।'' उन्होंने कहा, ''हम कभी यह नहीं कहेंगे कि हम दरवाजा बंद कर देंगे और सभी संपर्क तोड़ देंगे, लेकिन उन्होंने जो शर्त रखी है, उसके आधार पर बात करना असंभव है। यह शर्त दशकों से हमारे सभी समझौतों का आधार रहे सिद्धांतों को पूरी तरह नजरअंदाज करती है।'' दूसरी ओर, अमेरिकी दूतों ने कहा कि रूस और अमेरिका के बीच समझौता होने वाला है।